

हमको तुम्हारा ही आसरा मुरली वाले मोहना ।

तेरी शरण में हूं पड़ा मुरली वाले मोहना ॥

संसार के सुख भोग की आशा नहीं है कुछ मुझे

केवल तुम्हारी ही लालसा मुरली वाले मोहना ॥१॥

ऋषी मुनी और देवता तुझको ध्याते हैं सदां

तुम्हीं जग आधार हो मुरली वाले मोहना ॥२॥

नन्द यशोदा के लाड़ले तेरी छबी मन में बसी

प्राण भी पल पल कहें मुरली वाले मोहना ॥३॥

ओ कन्हैया प्राण प्यारे अब विलम्ब न कीजिए

दरश दे दुख को हरी मुरली वाले मोहना ॥४॥

तेरे चरण सरोज पर भंवरी हो गुंजन करूं

नित्य पियूं रस की सुधा मुरली वाले मोहना ॥५॥